MSK – 007

परास्नातक कार्यक्रम

एम.ए. संस्कृत ऑनलाइन कार्यक्रम

(MSKOL)

सत्रीय कार्य

(जुलाई, **2025** सत्र के लिए 31 मार्च, **2026**)

(जनवरी, **2026** सत्र के लिए 30 सितंबर, **2026**)

MSK – 007 साहित्यशास्त्र : काव्यप्रकाश, ध्वन्यालोक और दशरूपक

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली- **110068**

परास्नातक कार्यक्रम

सत्रीय कार्य (2025-26)

पाठ्यक्रम कोड : **MSKOL/MSK-007/2025-26**

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य **(TMA)** है। सत्रीय कार्य के लिए **100** अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये :

1.) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए।

2.) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनाँक : .....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबन्धात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ:

(जुलाई, **2025** सत्र के लिए 31 मार्च, **2026**)

(जनवरी, **2026** सत्र के लिए 30 सितंबर, **2026**)

सत्रीय कार्य

MSK – 007

साहित्यशास्त्र : काव्यप्रकाश, ध्वन्यालोक और दशरूपक

पाठ्यक्रम कोड : **MSK – 007**
पाठ्यक्रम शीर्षक : **साहित्यशास्त्र : काव्यप्रकाश, ध्वन्यालोक और दशरूपक**

सत्रीय कार्य : **MSK – 007/TMA/2025-26**

पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य 02 खण्डों में विभक्त हैं। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। 15 अंक के प्रश्नों का विस्तृत उत्तर दीजिए। 10 अंक के प्रश्नों का लगभग आठ सौ शब्दों में उत्तर देना है।

खण्ड–1

निर्देश– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए :

15X4 = 60

1. अभिहितान्वयवाद को विस्तार से स्पष्ट कीजिए ?
2. काव्य–हेतु का विशर विवेचन कीजिए ?
3. काव्य प्रकाश के अनुसार व्यंजना शब्द शक्ति की विवेचना कीजिए ?
4. काव्य गुणों का विशद विवेचन कीजिए ?
5. काव्य में अलंकारों के स्थान को स्पष्ट करते हुए किन्हीं चार अलंकारों का वर्णन कीजिए ?
6. वाक्यदोषों का वर्णन कीजिए ?

खण्ड–2

निर्देश– अधोलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए :

10X4 = 40

1. ध्वन्यालोक के आधार पर ''ध्वनिसिद्धान्त'' का संक्षेप में वर्णन कीजिए?
2. ध्वनि विषयक तीन विप्रतिपत्तियां क्या हैं, विवेचना कीजिए ?
3. काव्यात्मा के रूप में रस ध्वनि का वर्णन कीजिए?
4. अर्थ–प्रकृतियों का वर्णन कीजिए?
5. पञ्च–सन्धियों की विवेचना कीजिए?